**डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, ठाणे**

**2021 - 2022**

**विषय: - संस्कृतम्**

**Periodic Test - III**

**कक्षा – अष्टमी** **अवधि: - एकहोरा**

**दिनाङ्क: - 24/01/2022** **सम्पूर्णाङ्का: - 40**

---

***निर्देशा: :***

1) ***अस्मिन् प्रश्नपत्रे द्वौ भागौ स्त:।***
2) ***'अ' भाग: बहुविकल्पात्मक: अस्ति।***
3) ***'आ' भाग: वर्णनात्मक: अस्ति।***
4) ***प्रश्नानाम् उत्तराणि उत्तरपुस्तिकायाम् एकस्मिन् स्थाने क्रमेण लेखनीयानि।***
5) ***प्रश्नसंख्या प्रश्नपत्रानुसारम् अवश्यमेव लेखनीया।***
6) ***सर्वेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतेन लेखनीयानि।***
7) ***प्रश्नानां निर्देशा: ध्यानेन अवश्यं पठनीया:।***

**प्रश्नपत्रस्वरूपम् -**

'अ' भाग: ( बहुविकल्पात्मक:) 20 अङ्का:

'आ' भाग: ( वर्णनात्मक:) 20 अङ्का:

---

**'अ' भाग:- बहुविकल्पात्मक: (20 अङ्का:)**

**( अनुप्रयुक्तव्याकरणम् )**

**प्रश्न: 1) अधोलिखितवाक्येषु रेखाङ्कितपदानां सन्धिपदं सन्धिविच्छेदपदं वा चित्वा लिखत - (½x3=1½)**
**( केवलं प्रश्नत्रयम् )**

(i) त्वं यथा इच्छसि **<u>तथैव</u>** कुरु । (क) तथा + व (ख) तथा + एव (ग) त + थैव

(ii) छात्रेषु **<u>विद्या+औत्सुक्यम्</u>** भवति। (क) विद्यौत्सुक्यम् (ख) विद्यैत्सुक्यम् (ग) विद्यात्सुक्यम्

(iii) परीक्षा तु **<u>अद्य + एव</u>** भविष्यति। (क) अद्यएव (ख) अद्याव (ग) अद्यैव

(iv) वने **<u>महौषधय:</u>** प्राप्नुवन्ति। (क) महा+औषधय: (ख) महा+उषधय: (ग) महौ+षधय:

**प्रश्न: 2) प्रदत्तेभ्य: विकल्पेभ्य: समुचितं शब्दरूपं चित्वा वाक्येषु रिक्तस्थानानि पूरयत- (½x4=2)**

**( केवलं प्रश्नचतुष्टयम् )**

(i) अहं प्रतिदिनं ..... नमामि। (क) सूर्यम् (ख) सूर्य: (ग) सूर्यस्य

(ii) .....:..... नाम कावेरी अस्ति । (क) नद्याम् (ख) नद्या: (ग) नदीषु

(iii) दयानन्द: काशी इति ..... अवसत्। (क) नगरे (ख) नगरात् (ग) नगरम्

(iv) ..... बालिका: उत्साहेन खेलन्ति। (क) ते (ख) तानि (ग) ता:

(v) ..... विद्यालये महोत्सव: अस्ति। (क) मम (ख) मह्यम् (ग) मया

**प्रश्न: 3) अधोलिखितवाक्येषु सङ्ख्यास्थाने उपयुक्तं संख्यावाचकं संस्कृतपदं विकल्पेभ्य: चित्वा लिखत - ( केवलं प्रश्नत्रयम् ) (½x3=1½)**

(i) वृक्षे ..... फलानि सन्ति। (65) (क) पञ्चाशीति: (ख) पञ्चषष्टि: (ग) पञ्चदश

(ii) पितामहस्य आयु: ..... अस्ति।(87) (क) सप्ताशीति: (ख) सप्तति: (ग) अष्टसप्तति:

(iii) उद्याने ..... जना: धावन्ति।(100) (क) दश (ख) शतम् (ग) दशम्

(iv) ..... द्वाराणि सन्ति।(3) (क) त्रीन् (ख) त्रीणि (ग) त्रय:

**प्रश्न: 4) रेखाङ्कितपदेषु प्रयुक्तां विभक्तिं तत् कारणं च प्रदत्तविकल्पेभ्य: चित्वा लिखत - (½x4=2)**
**( केवलं प्रश्नचतुष्टयम् )**

(i) **<u>उद्यानात् बहि:</u>** भोजनालय: अस्ति।

(क) उद्यानात् योगे प्रथमा। (ख) बहि: योगे पञ्चमी । (ग) अस्ति योगे द्वितीया ।

(ii) राम: **<u>वानरेषु स्निह्यति।</u>**

(क) राम: योगे प्रथमा । (ख) स्निह् योगे सप्तमी। (ग) वानरेषु योगे तृतीया ।

(iii) **<u>गृहस्य पुरत:</u>** कुक्कुर: अस्ति।

(क) गृहस्य योगे चतुर्थी (ख) कुक्कुर: योगे सप्तमी। (ग) पुरत: योगे षष्ठी।

(iv) लक्ष्मण: **<u>रामात् विना</u>** युद्धं करोति।

(क) विना योगे पञ्चमी। (ख) रामात् योगे द्वितीया। (ग) युद्धं योगे षष्ठी ।

(v) शारदा **<u>गायने निपुणा</u>** अस्ति।

(क) शारदा योगे प्रथमा। (ख) निपुणा योगे सप्तमी। (ग) गायने योगे पञ्चमी।

**प्रश्न: 5) प्रदत्तेभ्य: विकल्पेभ्य: समुचितं धातुरूपं चित्वा वाक्येषु रिक्तस्थानानि पूरयत - (½x4=2)**

**( केवलं प्रश्नचतुष्टयम् )**

| | | | |
|---|---|---|---|
| (i) बालका: प्रतिदिनं फलानि .....। | (क) खाद | (ख) खादतु | (ग) खादन्तु |
| (ii) त्वं उद्यानं गत्वा किं .....। | (क) करोमि | (ख) करोति | (ग) करोषि |
| (iii) वयम् पञ्च कथा: .....। | (क) अलिखन् | (ख) अलिखत | (ग) अलिखाम |
| (iv) धावकौ जलं .....। | (क) पास्यत: | (ख) पास्यन्ति | (ग) पास्यथ |
| (v) सुधा पठनाय .....। | (क) तिष्ठेत् | (ख) तिष्ठे: | (ग) तिष्ठेयु: |

**प्रश्न: 6) रेखाङ्कितपदानां प्रकृति-प्रत्ययौ संयोज्य विभज्य वा शुद्धम् उत्तरं विकल्पेभ्य: चित्वा लिखत – चित्वा लिखत - ( केवलं प्रश्नत्रयम् ) (½x 3=1½)**

| | | | |
|---|---|---|---|
| (i) उमया पाठ: **<u>पठित:</u>** । | (क) पठि + त | (ख) पठि + क्त | (ग) पठ् + क्त |
| (ii) रमा भाषणं **<u>वद् + क्तवतु</u>।** | (क) उदितवती | (ख) वदितवती | (ग) उदितवान् |
| (iii) राम: चन्द्रग्रहणं **<u>दृष्टवान्</u>।** | (क) दृश्+क्तवतु | (ख) दृश्+क्त | (ग) दृष्ट+वान् |
| (iv) अम्बया ईश्वर: **<u>स्मृ + क्त</u>।** | (क) स्मृता | (ख) स्मृतम् | (ग) स्मृत: |

**प्रश्न: 7) अधोलिखितवाक्येषु रिक्तस्थानेषु प्रदत्तविकल्पेभ्य: उचितम् अव्ययपदं चित्वा लिखत - ( केवलं प्रश्नद्वयम् ) (½x 2=1)**

| | | | |
|---|---|---|---|
| (i) ..... हरिश्चन्द्र: राजा आसीत्। | (क) अधुना | (ख) उपरि | (ग) पुरा |
| (ii) ..... धावनस्पर्धा भविष्यति। | (क) ह्य: | (ख) श्व: | (ग) अधुना |
| (iii) पथिक: वृक्षस्य ..... उपविशति। | (क) नीचै: | (ख) सहसा | (ग) अत्र |

**प्रश्न: 8) रेखाङ्कितपदानाम् उपसर्गं संयोज्य विभज्य वा शुद्धम् उत्तरं विकल्पेभ्य: चित्वा लिखत – ( केवलं प्रश्नद्वयम् ) (½ x 2=1)**

| | | | |
|---|---|---|---|
| (i) माता साधुं **<u>नि+मन्त्रयति</u>**। | (क) न्यमन्त्रयति | (ख) नुमन्त्रयति | (ग) निमन्त्रयति |
| (ii) खगा: आकाशे **<u>विहरन्ति</u>**। | (क) वि+हरन्ति | (ख) विह+रन्ति | (ग) विहर+न्ति |
| (iii) माता गृहं **<u>प्रति+गच्छति</u>**। | (क) प्रतिगच्छ् | (ख) प्रतिगच्छति | (ग) प्रतुगच्छति |

**(पठित - अवबोधनम्)**

**प्रश्न: 9) रेखाङ्कितपदानि आधृत्य समुचितं प्रश्नवाचकपदं चित्वा लिखत - ( केवलं प्रश्नपञ्चकम् ) (½x5=2½)**

| | | | |
|---|---|---|---|
| (i) संसारे **<u>सत्यस्य</u>** जय: भवति। | (क) किम् | (ख) कस्य | (ग) कुत्र |
| (ii) **<u>क्षुधया</u>** समं शरीरपीडनं नास्ति। | (क) कया | (ख) केन | (ग) कथं |
| (iii) मूषका: **<u>बिलात्</u>** बहि: आगच्छन्ति। | (क) कस्य | (ख) केषु | (ग) कस्मात् |
| (iv) मूषकराज: **<u>शृगालं</u>** कथयति। | (क) कम् | (ख) कै: | (ग) कानि |
| (v) **<u>गुणा:</u>** पूजास्थानं गुणिषु। | (क) का | (ख) कान् | (ग) के |

(vi) **<u>श्रृगाल:</u>** भोजनाय भ्रमति स्म। (क) का: (ख) कै: (ग) क:

**प्रश्न: 10) अधोलिखितवाक्येषु रेखाङ्कितपदानां प्रसङ्गानुकुलम् उचितम् अर्थं चित्वा लिखत -**
**( केवलं प्रश्नचतुष्टयम् )** **(½x4=2)**

(i) सत्यमेव जयते न **<u>अनृतम्</u>** । (क) असत्यम् (ख) विजय: (ग) पराजय:

(ii) **<u>लक्ष्मी:</u>** दानवती यस्य। (क) देवी (ख) धनम् (ग) दानम्

(iii) तदा **<u>पृथ्वी</u>** अध: गमिष्यति। (क) आकाश: (ख) पातालम् (ग) धरा

(iv) छात्रा: चर्चायां **<u>मग्ना:</u>** सन्ति। (क) रता: (ख) आनन्दिता: (ग) सुखिन:

(v) न धर्मवृद्धेषु **<u>वय:</u>** समीक्ष्यते। (क) व्यायाम: (ख) वायु: (ग) आयु:

**प्रश्न: 11) भाषिककार्यसम्बध्दानां प्रश्नानां समुचितम् उत्तरं विकल्पेभ्य: चित्वा लिखत -** **(½x6=3)**
**( केवलं प्रश्नषट्कम् )**

(i) **"प्रारम्भे अहं कथयिष्यामि"।** अस्मिन् वाक्ये क्रियापदं किम् ?

(क) प्रारम्भे (ख) अहम् (ग) कथयिष्यामि

(ii) **"तस्य मूषकसमूहस्य राजा हृष्ट: पुष्ट: आसीत्"।** अस्मिन् वाक्ये विशेषणपदं किम् ?

(क) हृष्ट: पुष्ट: (ख) राजा (ग) तस्य

(iii) **"वयं प्रणमाम: मान्यवर" !** अस्मिन् वाक्ये 'प्रणमाम:' इति क्रियापदस्य कर्तृपदं किम् ?

(क) वयं (ख) प्रणमाम: (ग) मान्यवर

(iv) **"लक्ष्मी: दानवती यस्य"।** अस्मिन् वाक्ये विशेष्यपदं किम् ?

(क) दानवती (ख) यस्य (ग) लक्ष्मी:

(v) **'गुणा: पूजास्थानं गुणिषु"**। अस्मिन् वाक्ये 'दुर्गुणा:' इत्यस्य किं विलोमपदं प्रयुक्तम् ?

(क) पूजास्थानं (ख) गुणा: (ग) गुणिषु

(vi) **"वायु: एव मम भोजनम् अस्ति"।** अस्मिन् वाक्ये अव्ययपदं किम् ?

(क) वायु: (ख) एव (ग) मम

(vii) **"परोपकाराय सतां विभूतय:"**। अस्मिन् वाक्ये 'अपकाराय' इत्यस्य किं विलोमपदं प्रयुक्तम् ?

(क) परोपकाराय (ख) सतां (ग) विभूतय:

## 'आ' भाग:- वर्णनात्मका: प्रश्ना: (20 अङ्का:)
## ( अपठित-अवबोधनम् )

**प्रश्न: 12) अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतेन लिखत -** **(3)**

कार्यस्य महत्त्वं तथा तस्य सुन्दरता कार्यस्य समयानुसारं सम्पादने एव अस्ति। अतिपरिश्रमेण कृतं कार्यं यदि समये पूर्णं न भवति तदा तत् कार्यम् असफलम् इति गण्यते। चौरै: चौरकार्यं क्रियते तत्पश्चात् यदि सुरक्षाव्यवस्था भवति तदा तस्या: व्यवस्थाया: उपहास: एव भवति। अत: कस्यापि कार्यस्य सम्पादने विलम्ब: न कुर्यात्। श्रमस्य गौरवं तदैव भवति यदा अन्यस्य अपि लाभ: भवेत्। यथा मेघानां वर्षणं वृक्षाणां पादपानां वर्धने सहायकं न भवति चेत् मेघानां वर्षणं व्यर्थं भवति। यदि मनुष्य: अवसरस्य सदुपयोगं न करोति तदा स: एवमेव पश्चात्तापस्य भागी भवति। अत: बुद्धिमान् जन: सदैव समये एव कार्यसम्पादनं कुर्यात्।

(अ) **एकपदेन उत्तरत – ( केवलं प्रश्नद्वयम् )** **(½x2=1)**

(i) अतिपरिश्रमेण कृतं कार्यं यदि समये पूर्णं न भवति तदा तत् कार्यम् किम् इति गण्यते?

(ii) कै: चोरकार्यं क्रियते ?

(iii) क: सदैव समये एव कार्यसम्पादनं कुर्यात्?

**(आ) पूर्णवाक्येन उत्तरत – ( केवलं एकम् )** **(1x1=1)**

(i) कस्य महत्त्वं सुन्दरता च समयानुसारं सम्पादने एव अस्ति?

(ii) मनुष्य: कदा पश्चात्तापस्य भागी भवति ?

(iii) श्रमस्य गौरवं कदा भवति?

**(इ) निर्देशानुसारम् उत्तरत - ( केवलं प्रश्नद्वयम् )** **(½x2=1)**

(i) '**दुरुपयोग:**' इति पदस्य विलोमपदं किम् ?

(ii) **'व्यवस्थाया: उपहास: एव भवति'**। अत्र अव्ययपदं किम्?

(iii) **'मनुष्य: अवसरस्य सदुपयोगं न करोति**'। अस्मिन् वाक्ये क्रियापदं किम् अस्ति ?

(vi) **'बुद्धिमान् जन:'** अत्र विशेष्यपदं किम् ?

**(रचनात्मककार्यम्)**

**प्रश्न: 13) मञ्जूषाया: सहायतया पूर्णं कृत्वा पत्रम् उत्तरपुस्तिकायां लिखत -** **(½x6=3)**

**परीक्षाभवनम्**

**आग्रात:**

**दिनाङ्क: -**

**प्रिय मनोज !**

**1) ..... नमस्ते।**

**अत्र कुशलं तत्रास्तु। 2) ..... परीक्षाया: सफलताया: पत्रम् अधुना एव प्राप्तम्। भवत: परीक्षाया: परिणामं ज्ञात्वा अति 3)..... अभवत्। अहर्निशं प्रयासं कृत्वा भवान् षण्णवति: प्रतिशतम् 4)..... लब्धवान्। त्वं मम परिवारस्य साधुवादान् अर्हसि। पत्रेण तुभ्यम् पुन: वर्धापनम् कामये। 5)..... नम: ।**

**भवत: 6).....**

**आलोक:**

| |
|---|
| **मञ्जूषा - सन्तोष:, पितृभ्याम्, अङ्कान्, भवत:, सप्रेम, मित्रम्** |

**प्रश्न: 14) चित्रं दृष्ट्वा मञ्जूषाया: प्रदत्तपदानां सहायतया संस्कृतेन त्रीणिवाक्यानि लिखत - (1x3=3)**



**मञ्जूषा - स्वतन्त्रतादिवसस्य, सैनिका: , पथसञ्चलनं, उत्साहेन, जनसम्मर्द:, उत्साहपूर्णं वातावरणं, राष्ट्रिय-अवकाश:, शक्तिप्रदर्शनं।**

**प्रश्न: 15) अधोलिखितानि वाक्यानि संस्कृतभाषया अनुवादं कृत्वा लिखत - (2x2=2)**

**( केवलं प्रश्नद्वयम् )**

| | |
|---|---|
| (i) राधा कब आयेगी ? | When radha will come ? |
| (ii) हाथी ने पानी पिया। | An Eliphant has drunk water. |
| (iii) तुम खेलने के बाद पढ़ो। | You study after playing. |
| (iv) विद्यालय के आगे पेड़ हैं। | There are trees in front of the school. |
| (v) छात्रों को खेलना भी चाहिए। | Students should play Also. |
| (vi) वे सब कहाँ हैं ? | Where are they ? |
| (vii) हम दोनों माता को नमस्कार करते हैं। | We both bow to the mother. |

**( पठित-अवबोधनम्)**

**प्रश्न: 16) अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतेन लिखत – 2**

मूषकराजः तान् अवदत्- अहम् अपि एवं चिन्तयामि | मम शङ्का श्रृगालस्य उपरि एव अस्ति | अहम् अवश्यम् एव अस्य कारणं ज्ञास्यामि | भवन्तः अधुना गच्छन्तु | अग्रिमे दिवसे योजनानुसारं सर्वे मूषकाः दूरं गच्छन्ति | मूषकराजः तत्र एकाकी एव तिष्ठति | इदं दृष्ट्वा श्रृगालः तं मूषकराजं प्रहरति | सावधानः मूषकराजः कूर्दित्वा श्रृगालं प्रहरति | तदैव सर्वे मूषकाः तत्र आगच्छन्ति | श्रृगालं च आक्रम्य तीक्ष्णदन्तैः तस्य नाशं कुर्वन्ति | **सत्यम् एव कथ्यते यत्- 'अविश्वस्ते न विश्वसेत् |'**

**(अ) एकपदेन उत्तरत – ( केवलं प्रश्नद्वयम् ) (½x2=1)**

(i) अहम् अवश्यम् एव किं ज्ञास्यामि?

(ii) के तत्र आगच्छन्ति ।

(iii) कस्मिन् न विश्वसेत् ?

**(आ) पूर्णवाक्येन उत्तरत – ( केवलम् एकम् ) (1x1=1)**

(i) मम शङ्का कस्य उपरि अस्ति ?

(ii) क: मूषकराजं प्रहरति ?

(iii) मूषका: कथं श्रृगालस्य नाशं कुर्वन्ति ?

**प्रश्न: 17) अधोलिखितं श्लोकं पठित्वा प्रदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतेन लिखत – 2**

**क्षुधासमं नास्ति शरीरपीडनं चिन्तासमं नास्ति शरीरशोषणम्।**
**विद्यासमं नास्ति शरीरभूषणं क्षमासमं नास्ति शरीररक्षणम्॥**

**(अ) एकपदेन उत्तरत – ( केवलं प्रश्नद्वयम् ) (½x2=1)**

(i) शरीरस्य भूषणं किं समं नास्ति ?

(ii) क्षमासमं किं नास्ति ?

(iii) शरीरस्य पीडनं का करोति ?

**(आ) पूर्णवाक्येन उत्तरत – ( ( केवलम् एकम्) (1x1=1)**

(i) किं समं नास्ति शरीर शोषणम् ?

(ii) किं समं नास्ति शरीरपीडनम् ?

(iii) चिन्तया किं भवति ?

**प्रश्न: 18) अधोलिखितं नाट्यांशं पठित्वा प्रदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतेन लिखत – 2**

**एका छात्रा** - मान्यवर ! एतेषां महोदयानां शिक्षा कुत्र अभवत् ?

**आचार्यः** - प्रियाः छात्राः ! अस्य महोदयस्य आरंभिकी शिक्षा, 'रामेश्वरम्' क्षेत्रे एव 'श्वार्ट्ज हाई स्कूल' नामके विद्यालये अभवत् | स्नातकस्तरीया शिक्षा 'तिरुची' क्षेत्रस्य 'सेंट जोसेफ़् कालेज' नामके महाविद्यालये अभवत् | पुनः मद्रास-तकनीकी-संस्थाने' (मद्रास इन्स्टीट्यूट' आफ़ टेक्नोलोजी) वैमानिकीं विद्याम् अधीतवान् | अतिपरिश्रमेण अध्ययनं कृत्वा महोदयः रक्षावैमानिकस्य पदम् अलंकृतवान् | अनेन महोदयेन रक्षाक्षेत्रे अनेकानि अभूतपूर्वाणि कार्याणि कर्तव्यनिष्ठया कृतानि | नवीनैः शोधकार्यैः प्रक्षेपास्त्राणि निर्माय महोदयः अस्माकं प्रियं भारतं प्रक्षेपास्त्रक्षेत्रे सम्पन्नं राष्ट्रम् अकरोत् | एतेषां महोदयानां प्रमुखतः 'पृथ्वी-नाग-आकाश-त्रिशूल-अग्नि' इत्यादीनां प्रक्षेपयानानां निर्माणे प्रयोगे च प्रमुखा भूमिका आसीत् |

**अन्यः छात्रः** - किम् एते महोदयाः अस्माकं राष्ट्रस्य 'वैज्ञानिक-परामर्शदातारः' अपि अभवन् |

**आचार्यः** - आम् | अष्टनवति-अधिक-एकोनविंशतिशततमे वर्षे (1998) एतेषां महोदयानां नियुक्तिः अस्मिन् पदे अभवत् |

**अन्या छात्रा** - अस्माकं राष्ट्रस्य सर्वोच्चं नागरिकं सम्मानम् 'भारतरत्नम्' अपि एते महोदयाः प्राप्तवन्तः |

**(अ) एकपदेन उत्तरत – ( केवलं प्रश्नद्वयम् ) (½x2=1)**

(i) डॉ. कलाम महोदयस्य आरंभिकी शिक्षा कुत्र अभवत् ?

(ii) डॉ. कलाम महोदय: कां विद्याम् अधीतवान् ?

(iii) अतिपरिश्रमेण अध्ययनं कृत्वा महोदयः किं पदम् अलंकृतवान् ?

**(आ) पूर्णवाक्येन उत्तरत – ( केवलम् एकम्) (1x1=1)**

(i) डॉ. कलाम महोदयस्य आरंभिकी शिक्षा कुत्र अभवत् ?

(ii) डॉ. कलाम महोदय: कुत्र वैमानिकीं विद्याम् अधितवान् ?

**प्रश्न: 19) मञ्जूषात: समुचितपदानि चित्वा अधोलिखितसूक्ते: भावार्थं पूरयित्वा लिखत - (½x2=1)**

(i) **मा भ्राता भ्रातरं द्विक्षत् |**

**भावार्थ :-** जनेषु ..... भवेत् न तु द्वेष: | केनापि सह ईर्ष्यां मा कुरुत |
परस्परं ..... वसेयुः |

**मञ्जूषा - मिलित्वा, भ्रातृभावः ।**

**प्रश्न: 20) अधोलिखितं कथांशं समुचितक्रमेण पुन: उत्तरपुस्तिकायां लिखत - (½x4=2)**

1) श्रृगाल: मूषकाणां बिलात् बहि: तिष्ठति।
2) स: श्रृगाल: हृष्ट: पुष्ट: अभवत्।
3) मूषका: चिन्तयन्ति - एष: कश्चन महात्मा एव।
4) श्रृगाल: प्रतिदिनम् एकं मूषकं खादति।

.....इति.....